भजन

तर्ज– थोडा सा प्यार हुआ –

सोणी श्यामा महारानी सोणा सिनगार है
सोनी मनमोहनी जोड़ी सोणा सिनगार सोणी.....

1) वो अपना मूल मिलावा, साथ बैठा जहां सारा
बिठा करके चरणों में दिखाया खेल सारा
कि रंग कंचन सिंहांसन, राजश्यामा जी का आसन
नूरी की चौकी दोऊ, धरे जहां युगल चरन
कि अंतर आँखा खोलो, होता दीदार है।
सोणी श्यामा.....

2) सेन्दुरिया रंग की साड़ी, कंचुकी श्याम रंग की
नीलो लाहि को चरीनयां, शोभा ए श्यामा जी की
पाग सेन्दुरिया रंग की, स्वेत जामा प्रीतम का
आसमानी है पिछौरी नीलो न पीलो पटुका
केसरिया रंग की प्यारी, पिया की इजार है
सोणी .. ..

3) कि सुरता एकै राखो मूलमिलावे माही
कि एक पल को न छोड़ो चरन चारो सुखदायी
नैन की पुतलियो में नूरी चरन बसाऊं
मस्ती मे इनकी इबूँ मैं हर पल इन्हें निहारूं
मस्ती में इनकी डूबूं छोड़ा संसार ए सोणी.....